राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2006

10 दिसम्बर, 2014 को उत्तर के लिए

इस्पात संयंत्रों का आधुनिकीकरण

2006. श्री परिमल नथवानी:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकारी क्षेत्र के इस्पात संयंत्रों में आधुनिकीकरण की स्थिति क्या है;

(ख) क्या भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड के अंतर्गत कई इस्पात संयंत्रों का विस्तार और आधुनिकीकरण कार्यक्रम नियत समय से पीछे चल रहा है, जिसके कारण इसकी लागत और समय-सीमा दोनों में वृद्धि हो गई है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी संयंत्र-वार ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं; और

(घ) इस स्थिति में सुधार लाने के लिए सरकार द्वारा क्या उपचारात्मक उपाय किए गए हैं/किए जा रहे हैं?

उत्तर

इस्पात और खान राज्य मंत्री **श्री विष्णु देव साय**

(क): स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) ने वर्तमान चरण में क्रूड इस्पात की अपनी उत्पादन क्षमता को क्रमश: 12.84 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) से बढ़ाकर 21.40 एमटीपीए करने और 3.0 एमटीपीए से बढ़ाकर 6.3 एमटीपीए करने के लिए आधुनिकीकरण और विस्तार कार्य (भिलाई, बोकारो, दुर्गापुर, राउडरकेला, आईएसपी बर्नपुर और सेल का सेलम स्थित विशेष इस्पात संयंत्र तथा आरआईएनएल का विजाग इस्पात संयंत्र) आरंभ किए हैं।

सेलम इस्पात संयंत्र में विस्तार परियोजना सितम्बर, 2010 में पूरी कर ली गई है। राउरकेला इस्पात संयंत्र में समस्त नई एकीकृत प्रक्रिया रूट जिसमें कोक निर्माण, सिन्टर निर्माण, देश के सबसे बड़े ब्लास्ट फर्नेस (4060 सीयूएम) से लोहा निर्माण, बेसिक ऑक्सीजन फर्नेस, स्लेब कास्टर और नई प्लेट मिल में रोलिंग सुविधा इत्यादि शामिल है, को प्रचालनात्मक बना दिया गया है। इस्को इस्पात संयंत्र में नए सिंटर निर्माण, कोक निर्माण, देश के सबसे बड़े ब्लास्ट फर्नेस (4160 सीयूएम) से लोहा निर्माण और इस्पात निर्माण (दो बेसिक ऑक्सीजन फर्नेस कनवर्टर और दो कास्टर) तथा वायर रॉड मिल इत्यादि प्रमुख सुविधाओं को प्रचालनात्मक

बना दिया गया है। बोकारो इस्पात संयंत्र में कोल्ड रोलिंग मिल परिसर की रोलिंग सुविधा को पिकलिंग लाईन एंड टेनडम कोल्ड मिल पूरा होने के साथ शुरू कर दिया गया है। भिलाई इस्पात संयंत्र में अयस्क हैंडलिंग संयंत्र भाग-ए, एसपी-3 में दूसरी सिंटर मशीन और नए कोक ओवन बैटरी के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। दुर्गापुर स्टील संयंत्र में कोक ओवन बैटरी-2 का पुनर्निर्माण पूरा हो गया है।

आरआईएनएल ने नवीनतम पर्यावरणीय मानकों को पूरा करने, नवीनतम प्रौद्योगिकी को अपनाने, ऊर्जा का संरक्षण करने, उत्पादन एवं उत्पादकता को बढ़ाने और साथ ही दो दशक से अधिक समय से प्रचालनाधीन प्रमुख उपस्कर की स्थिति को सुधारने के लिए लगभग 2410 करोड़ रुपए की अनुमानित राशि से प्रमुख प्रोसेस यूनिटों यथा ब्लास्ट फर्नेस, स्टील मेल्ट शॉप कनवर्टर और सिन्टर प्लांट का आधुनिकीकरण कार्य शुरू किया है।

(ख) और (ग): आधुनिकीकरण और विस्तार योजना का क्रियान्वयन मुख्यत: क्रियान्वयन के दौरान सामना की गई अप्रत्याशित मृदा परिस्थितियों, परामर्शदाता द्वारा मात्राओं का कम अनुमान लगाने, परियोजना ब्राउनफील्ड होने के नाते लॉजिस्टिक समस्या पैदा होने, पीएसयू के ठेकेदारों समेत ठेका एजेंसियों द्वारा अपर्याप्त मात्रा में संसाधन जुटाए जाने इत्यादि के कारण प्रभावित हुआ है। कोई लागत वृद्धि नहीं हुई है सिवाय आईएसपी विस्तार (1965 करोड़ रुपए) के, जहां कि लागत अनुमान को 14443 करोड़ की पूर्व लागत से संशोधित करके 16408 रुपए किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप 13.6 प्रतिशत का वित्तीय अंतर आया है। आईएसपी में लागत वृद्धि के मुख्य कारणों में बीओएफ के सिविल एवं ढांचागत कार्य में वृद्धि, सीसीपी एवं रोलिंग मिल पैकेज, आईडीसी एवं ईडीसी में आनुपातिक वृद्धि और भावी वृद्धियों के प्रावधान इत्यादि शामिल हैं।

(घ): विभिन्न कदम यथा परियोजना मैनुअलों की समीक्षा एवं अपडेशन, निर्णय में तेजी लाने के लिए विभिन्न स्तरों पर अधिकार प्रत्यायोजन में वृद्धि, नये/ अनुभवी परियोजना प्रबंधकों की भर्ती/ पुर्नतैनाती करके परियोजना प्रबंधन संगठन का सशक्तिकरण और विस्तार योजना के क्रियान्वयन को मॉनीटर करने के लिए बोर्ड उप समिति (बीएससी) का गठन इत्यादि उठाएं गये है। अन्य किये गये उपायों में ये शामिल है – समीक्षा बैठकों, परियोजना प्रमुखों की बैठकों के दौरान विभिन्न संयंत्रों की समस्या के सबंध में विचार विमर्श एवं जानकारी का आदान प्रदान करने के लिए विडियों कानफ्रेसिंग का व्यापक उपयोग करना, संयंत्रों में परियोजना नियंत्रण कक्षों की स्थापना करना, इस्पात, पाईपों और सेल उत्पादों की आपूर्ति के रूप में ठेकेदारों को सहायता प्रदान करना, फेब्रिकेटिंग स्ट्रक्चर में ठेकेदार की सुविधा के लिए और परिवहन में होने वाले विलम्ब को कम करने के लिए संयंत्र के भीतर/ बाहर फेब्रिकेशन यार्ड हेतु जगह प्रदान करना इत्यादि। संयंत्रों के आधुनिकीकरण और विस्तार कार्य की प्रगति की मंत्रालय में मंत्री और सचिव स्तर पर नियमित समीक्षा की जाती है।

***